Publication Date 01.04.2024
Postal Registration No. G/CHD/0096/2024-26
Registrar of Newspapers of India
Regd. No. 46809/70 I Total Pages 20
Posted at MBU Chandigarh 1st of Every Month

हरियाणा सहकारी प्रकाश

Haryana Sahkari Parkash

वर्ष : 55 | अंक 04 | 01 अप्रैल, 2024 | वार्षिक मूल्य : 500/- | प्रति कापी : 50/-

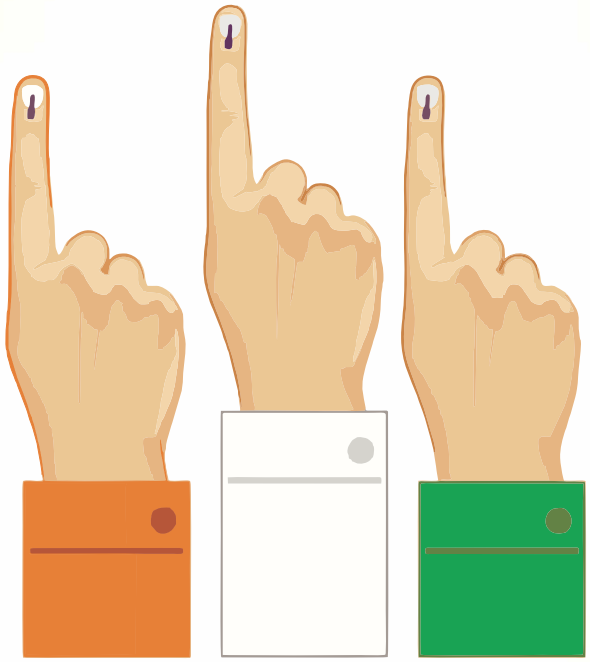

चुनाव का पर्व
DESH KA GARV
LOK SABHA ELECTION 2024

HARCOFED
Bays No. 49-52, Sector - 2, Panchkula
https://www.harcofed.org.in
harcofed@ymail.com

चुनाव का पर्व, देश का गर्व

देश में लोकसभा आम चुनाव–2024 का चुनाव महापर्व चला हुआ है, जो 6 जून तक चलेगा। ऐसे में देश व प्रदेश की भागदौड़ चुनाव आयोग के हाथों में हैं। इस बार के चुनाव में चुनाव का पर्व, देश का गर्व चुनावी थीम घोषित किया गया है। अब जनता जनार्दन को भी इस त्योहार का खूब मस्ती के साथ मनाने का समय है।

चुनाव की घोषणा के साथ ही आदर्श आचार संहिता लागू हो गई है। हरियाणा प्रदेश में 29 अप्रैल को चुनाव प्रक्रिया का अधिसूचना जारी होगी। साथ ही युवा मतदाताओं को इसमें अभी भी जोड़ा जा रहा है। नोटिफिकेशन के पहले के समय तक 18 वर्ष आयु पूरी करने वाले सभी युवाओं को वोट बनवाने का मौका दिया गया है। साथ ही उन्हें पहली बार वोट डालने का मौका भी इसी चुनाव में मिल जाएगा। युवा मतदाताओं को पहली बार वोट करने पर होने वाली सुखद अनुभूति का आनंद उठाना चाहिए। छह मई तक उम्मीदवारों द्वारा नामाकंन पत्र दाखिल किये जाएंगे। सात मई को नामांकन पत्रों की छंटनी की जाएगी और नौ मई तक प्रत्याशी अपना नामांकन पत्र वापस ले सकते हैं। प्रदेश में मतदान 25 मई को होंगे और चार जून को मतों की गणना होगी।

युवाओं को देश की रीड माना जाता है। ऐसे में चुनाव में सबसे ज्यादा और महत्वपूर्ण भागेदारी भी युवाओं की मानी जाती है। अब युवाओं को खुद आगे रहना चाहिए। जो युवा 28 अप्रैल तक 18 के हो रहे हैं वो सबसे पहले अपनी वोट को बनवाएं और फिर मतदान के लिए दूसरों को प्रेरित भी करें। इसके अलावा अपने घर के बड़े–बुजुर्गों के पास बैठकर पहले के चुनावों की जानकारी हासिल करनी चाहिए। ऐसा करने से उन्हें बेहतर अनुभव मिलेगा और वो अपना फैसला लेने में अहम भूमिका अदा कर सकेंगे।

चुनाव आयोग द्वारा हर गतिविधि, समस्या और सुविधा के लिए विभिन्न प्रकार की एप्स तैयार की गई हैं। इन एप्स की सहायता से आप चुनाव को समझने में आसानी होगी। किसी कार्यक्रम की अनुमति भी घर बैठे मिल जाएगी। कोई समस्या हो तो उसका समाधान भी एप्स पर ही हो जाएगी। किसी भी प्रकार के लेन–देन की शिकायत भी एप्स पर होगी। इतना ही नहीं एप्स पर आई हर शिकायत को 50 मिनट में समाधान भी सुनिश्चित किया जाएगा। मतदान, मतगणना संबंधित जानकारी भी एप्स पर ही मिल पाएगी।

चुनाव आयोग ने इस बार दिव्यांगजनों और 85 वर्ष से उपर की आयुवर्ग के लोगों के लिए विशेष सुविधाएं मुहैया करवाने की योजना तैयार की है। यदि कोई दिव्यांग या 85 वर्ष से उपर की आयुवर्ग का बुजुर्ग मतदान केन्द्र पर जाने में असमर्थ है तो उसको केन्द्र तक लेकर जाने और मतदान करवाकर वापस घर छोड़ने की भी व्यवस्था है। वहीं दिव्यांगों के लिए व्हीलचेयर व अन्य सुविधाएं मतदान केन्द्रों पर मुहैया होंगी।

हरकोफैड की अपील है कि देश के सबसे पहले महापर्व में अपनी हिस्सेदारी मतदान करके सुनिश्चित करें, क्योंकि जागरूक मतदाता के मतदान करने से लोकतंत्र को और अधिक मजबूती मिलेगी। इसलिए प्रत्येक नागरिक का कर्तव्य बनता है कि वह जाति, धर्म, लिंग आदि के भेद से ऊपर उठकर अपने मताधिकार का प्रयोग करके देश के विकास में भागीदार बने।

हरियाणा सहकारी प्रकाश

मुख्य संरक्षक
डॉ. राजा सेखर वुंदरू, भा.प्र.से.
अतिरिक्त मुख्य सचिव,
सहकारिता विभाग, हरियाणा

संरक्षक
राजेश जोगपाल, भा.प्र.से.
रजिस्ट्रार सहकारी समितियां,
हरियाणा

मुख्य सम्पादक
सुमन बल्हारा
प्रबन्ध निदेशक, हरकोफैड

सुविचार

आप जोखिम लेने से भयभीत न हो, यदि आप जीतते हैं तो आप नेतृत्व करते हैं, यदि हारते हैं तो आप दूसरों का मार्गदर्शन कर सकते हैं।

- स्वामी विवेकानन्द

'हरियाणा सहकारी प्रकाश' में प्रकाशित लेखकों के विचारों के साथ हरकोफैड का सहमत होना आवश्यक नहीं है। यह लेखकों के अपने विचार हैं।

हरियाणा सहकारी प्रकाश की विज्ञापन दरें :–

क्र.सं.	विवरण प्रति प्रकाशन	रुपये
1.	पूरा पृष्ठ टाईटल रंगीन	14000/–
2.	पूरा पृष्ठ रंगीन	9000/–
3.	पूरा पृष्ठ श्याम–श्वेत	6000/–
4.	आधा पृष्ठ श्याम–श्वेत	4000/–

इस अंक में पढ़िए

तनाव के कारण का पता लगाना और उसे दूर करना संभव 4
प्राकृतिक खेती को बढ़ावा के लिए अमरूद व आंवला पर रिसर्च शुरू 5
स्वयं सहायता समूह की महिलाओं को हरकोफैड दिलवा रहा प्रशिक्षण 6
राष्ट्रभक्ति की साकार अभिव्यक्ति है स्वदेशी 7
मेरी फसल मेरा ब्योरा से जोड़ा, किसान करवाएं पंजीकरण 7
कृषि विभाग संपर्क में रहकर योजनाओं की जानकारी लेते रहें किसान 8
प्रतियोगिता के टॉपर 5 विद्यार्थियों को पुरस्कार देकर किया सम्मानित 8
पैक्सों में ऑनलाइन सर्विस होने पर आएगी पारदर्शिता 9
किसान जानकारियों में इजाफा करते हुए योजनाओं का फायदा उठाएं 10
प्राकृतिक खेती से मिलने वाली फसल देगी ज्यादा मुनाफा 11
पशुओं खनिज मिश्रण खिलाने से मिलता है लाभ 11
किसान गांवों में प्योरीफाई, बायोगैस प्लांट लगाकर बढ़ाएं आमदनी 12
महिलाएं समितियों को दूध देकर स्वयं व परिवार को बनाएं सशक्त 13
हरको बैंक की दो बेहतरीन योजनाएं 14
सफलता की कहानी 15
कविता मतदान 15
अप्रैल महीने में किसानों द्वारा किये जाने वाले कार्य 16-17
बोधकथा खुशबू को ठुकराकर बहती हवा का हुआ अपमान 18
विज्ञापन 19

E-MAIL
harcofed@ymail.com
harcopress@gmail.com
Website
https://www.harcofed.org.in

तनाव के कारण का पता लगाना और उसे दूर करना संभव

पंचकूला, 20 मार्च :– हरकोफैड द्वारा दी पंचकूला सेंट्रल कोओपरेटिव बैंक में दो दिवसीय कर्मचारी प्रशिक्षण कक्षा का आयोजन किया गया। कक्षा में सभी अपैक्स और फैडरेशन के कर्मचारियों ने भाग लिया। इस कक्षा का उद्देश्य अपने सहकारी समितियों में कार्यरत सभी कनिष्ट अधिकारियों व कर्मचारियों के लिए कार्यों में दक्षता प्रदान करने के लिए रहा।

पहले दिन श्रीमती शितिजा अतिथि वक्ता रही, जो वकील होने के साथ–साथ अध्यापिका हैं। उन्होंने आर.आई.सी.एम. चंडीगढ़ में एम.बी.ए. विभाग में सहायक प्रोफेसर के रूप में काम किया है। उनके पास कानून पढ़ाने और अभ्यास करने का 15 वर्षों से अधिक का समृद्ध अनुभव हैं। श्रीमती शितिजा ने तनाव कारण, लक्षण और उपचार विषय पर कर्मचारियों का पढ़ाया।

तनाव प्रबंधन क्या है

तनाव प्रबंधन का अर्थ है कि ऐसे कार्यों को करना, जिससे तनाव को कम करने में मदद मिले। नियमित व्यायाम, स्वस्थ आहार और पर्याप्त नींद आपके लिए बहुत ज्यादा लाभकारी साबित हो सकती है।

तनाव के लिए कौन सा हार्मोन जिम्मेदार है

तनाव के लिए कोर्टिसोल हार्मोन जिम्मेदार होता है। कोर्टिसोल एम तनाव हार्मोन है जो ब्लड शुगर और मेटाबोलिज्म को कंट्रोल करता है सूजन कम करने में और याददाश्त को पढ़ाने में यह हार्मोन बहुत ज्यादा आवश्यक साबित होता है।

तनाव कितने समय तक रहता है

इस प्रश्न का उत्तर आपकी

जीनवनशैली पर निर्भर करता है। यदि आप एक स्वस्थ जीनवशैली व्यतीत नहीं करते है तो तनाव आपको लंबे समय तक प्रभावित करेगा और यदि आप स्वस्थ जीवन शैली का पालन करते है, तो तनाव लंबे समय तक बना नहीं रहता है।

तनाव के प्रमुख कारण क्या है

स्ट्रेस कई कारणों से हो सकता है और किस कारण से आपको तनाव हो रहा है, इसका पता स्वास्थ्य के जांच के बाद ही चल पाता है। मानसिक तनाव के प्रमुख कारण इस प्रकार है :– काम का दबाव , परिवार की समस्याएं, आर्थिक समस्याएं, स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं, रिश्तों में समस्याएं, नौकरी की चिंता, दुःखद अनुभव, जैसे किसी प्रियजन की मृत्यु या कोई दुर्घटना।

यह उदासी और निराशा के मुख्य कारण है, जो कहीं न कहीं एक व्यक्ति के जीवन में तनाव की स्थिति उत्पन्न कर सकती है।

दूसरे दिन श्री एस.एन. शर्मा हरकोबैंक विषय (आत्म प्रबंधन) पर कर्मचारियों को पढ़ाया। उनका विषय आत्म प्रबंधन व किस प्रकार इसके जरिए भावनाओं का नियमित व आत्म नियंत्रण किया जा सकता है। इसके द्वारा व्यक्ति अपने भावों को पहचानकर, समझकर स्वीकारेगा।

उन्होंने बताया कि स्थिती की उपयुक्तता के अनुसार व्यक्ति स्पष्ट रूप से अपने भावों को व्यक्त कर सकेगा। अपनी भावनाओं या मतों को व्यक्त करने से पहले उनके परिणाम पर सोच विचार कर सकेगा। आवश्यकता होने पर अपने आवेगपूर्ण भावनाओं को नियंत्रित करने के लिए योग नीतियों का इसतेमाल कर सकेगा।

दूसरे दिन दोपहरण के खाने के बाद श्री पवन शर्मा ने बतौर अतिथि वक्ता पधार कर उपस्थित कर्मचारियों को नोटिंग/ड्राफ्टिंग व कडक्ट रूल 2016 (सेवानिवृत) व सी.एम. सचिवालय और सी.एम. शिकायत निवारण प्रकोष्ठ में कार्य कर रहें है।

प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने के लिए अमरूद व आंवला पर रिसर्च शुरू

करनाल :– हरियाणा प्रदेश में प्राकृतिक एवं जैविक खेती को बढ़ावा दिया जा रहा है। खेती से जुड़े ज्यादातर संस्थान इस प्रकार की सुरक्षित खेती को बढ़ावा देने के साथ–साथ शोध भी कर रहे हैं। प्रदेश में बागवानी में भी अब जैविक एवं प्राकृतिक खेती को अपनाया जाएगा।

महाराणा प्रताप उद्यान विश्वविद्यालय करनाल के कुलपति डॉ. सुरेश कुमार मल्होत्रा ने बताया कि प्राकृतिक एवं जैविक खेती को बढ़ावा देने के लिए महाराणा प्रताप उद्यान विश्वविद्यालय करनाल में बागवानी फसलों के लिए प्रावधान रखा गया है। विश्वविद्यालय के वैज्ञानिक इस पर रिसर्च करेंगे। बागवानी फसलों पर आधारित फसल मोडूयल तैयार किए जाएंगे, इसके अतिरिक्त समन्वित फसल पोषण प्रबंधन तथा समन्वित कीटनाशी जीव प्रबंधन मापांक भी विकसित किए जाएंगे। जिससे उत्पादन लागत को घटाया जा सकें और मुनाफा को बढ़ावा जा सकें। एमएचयू में पहली बार प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने के लिए अमरूद और आंवला पर रिसर्च शुरू की गई है।

कुलपति ने कहा कि प्राकृतिक तरीके से खेती करने पर काफी कम खर्च आता है और मुनाफा अधिक रहता है। रिसर्च से पता लगाया जाएगा कि विभिन्न पद्धतियों में कितनी पैदावार निकलती है, इस पर शोध कार्य किया जा रहा है। विश्वविद्यालय द्वारा एक एकड़ में अमरूद और आधा एकड़ में आंवला के पौधे लगाकर उन पर रिसर्च शुरू की है। देशभर से विभिन्न फसलों के जनन द्रव्य एकत्रित करके उनका मूल्याकंन किया जा रहा है।

कुलपति ने कहा कि हरियाणा राज्य के विभिन्न कृषि जलवायु के लिए कौन से पौधे उचित रहेंगे ताकि किसान बागवानी की खेती कर भारी मुनाफा कमा सकें। उन्होंने कहा कि रिसर्च के सकारात्मक परिणाम आने पर किसानों को अच्छी किस्मों के गुणवत्ता वाले पौधे बनाकर दिए जाएंगे।

श्री मल्होत्रा ने बताया कि अब बागवानी में भी शोध कार्यों को पोषण सुरक्षा पर फोकस किया गया है। इसके तहत ऐसी सब्जियां उगाई जाएंगी, जिसमें विभिन्न तरह के विटामिन व मिनरल हो। जिनके खाने से शरीर को पोषण मिल सके। किसानों को वैज्ञानिक विधियों और तकनीकियों के साथ बागवानी करनी होगी।

कुलपति ने बताया कि केंद्र और राज्य सरकार भी नेचुरल फार्मिंग बढ़ाने के लिए गंभीरता से काम कर रही है, इसलिए अब यूनिवर्सिटी ने भी इस पर काम शुरू कर दिया है। बागवानी प्राकृतिक तरीके से करके किसानों की आमदनी बढ़ेंगी, लोगों को अच्छी गुणवत्ता वाले फल मिलेंगे। इसके अलावा पौधे लगाने के लिए पराली, सफेद व काले रंग की प्लास्टिक से मल्चिंग करने पर क्या परिणाम निकलते हैं, कितनी पैदावार होगी, इन सब पर रिसर्च की जा रही है।

कुलपति ने कहा कि खेती की इस अवधारणा के अनुसार फसल और पौधों के लिए आवश्यक सभी जरूरी और सूक्ष्म पोषक तत्व मिट्टी में ही मौजूद हैं, लेकिन पौधों या फसलों को सीधे नहीं मिल पाते। इन पोषक तत्वों को सूक्ष्मजीव पौधों को उपलब्ध करवाते हैं। पौधे मिट्टी में मौजूद खनिजों से पोषक तत्व लेते हैं और इस कार्य के लिए मिट्टी में अरबों सूक्ष्मजीव मौजूद हैं।

स्वयं सहायता समूह की महिलाओं को हरकोफैड दिलवा रहा प्रशिक्षण

गुरूग्राम, 6 मार्च : हरकोफैड द्वारा मिल्क चिलिंग सेंटर बिलासपुर लिमिटेड गुरूग्राम में ''सहकारिताओं के माध्यम से महिला सशक्तिकरण'' विषय पर महिला सेमीनार का आयोजन किया गया। इसमें हरकोफैड के निदेशक व हैफेड के प्रशासक श्री नरेन्द्र भ्याना ने मुख्यातिथि के रूप में शिरकत की और श्री विनय त्रिपाठी एजीएम नाबार्ड, श्री जितेन्द्र यादव महाप्रबन्धक सैंट्रल कोओपरेटिव बैंक गुरूग्राम, श्री राजपाल शर्मा निरीक्षक सहकारी समितियां गुरूग्राम, श्रीमती रितु लेडी एक्सटेन्शन आफिसर वीटा प्लांट बल्लभगढ़, श्रीमती अपर्णा जोशी प्रिंसिपल गुरूग्राम वर्ल्ड स्कूल और श्री सत्यानारायण यादव सहायक सहकारी शिक्षा अधिकारी हरकोफैड मुख्यवक्ता रहे।

मुख्यातिथि श्री नरेन्द्र भ्याना ने महिलाओं को हरकोफैड द्वारा दिए जा रहे जागरूकता कार्यक्रम व तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि दुग्ध सहकारी समिति की बहनों की आय में वृद्धि हो रही है। स्वयं सहायता समूह की बहनें अपने कार्यों को करते हुए आत्मनिर्भर बन रही है। इन बहनों के लिए हरकोफैड पंचकूला द्वारा जागरूकता कार्यक्रम व प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है, ताकि वो अपने कार्य में निपुर्ण हो सके।

श्री भ्याना ने क्षेत्र की अग्रनी चार महिला दुग्ध समिति को सम्मानित किया और हरकोफैड का बहुत ही सफल सेमीनार का आयोजन

के लिए ओर वीटा मिल्क चिलिंग सेंटर बिलासपुर के मैनेजर, अधिकारियों व सभी कर्मचारियों द्वारा किए गए रचनात्मक सहयोग के लिए धन्यवाद दिया।

श्री सत्यानारायण यादव ने मुख्य अतिथि व अतिथि वक्ताओं का स्वागत किया और विभिन्न दुग्ध सहकारी समितियों से आई महिलाओं को सहकारिता के बारे में बताते हुए सहकारी मूल्य व सिद्धान्तों को सांझा किया। उन्होंने ज्यादा जोर आत्म जिम्मेदारी पर दिया।

उन्होंने कहा कि अगर कोई व्यक्ति सहकारी मूल्यों को ध्यान में रखते हुए आत्म जिम्मेदारी से अपना काम करें तो वह आत्म सम्मान ही नहीं, बल्कि अपने उच्च अधिकारियों से व समाज से भी बहुत सम्मान पाता है और अपने कार्य को भी कुशलता से पूरा करता है।

श्री जितेन्द्र यादव महाप्रबन्धक ने सभी महिलाएं को कहा कि वे वित्तीय प्रंबधन के साथ अपनी दुग्ध सहकारी समितियों को आगे बढ़ाए और केन्द्रीय सहकारी बैंक आपके लिए वित्तीय सहायता की कमी नहीं आने देगा। श्रीमती रितु लेडी एक्सटेंशन अधिकारी ने महिलाओं को बताया कि वे अपनी समितियों में दुग्ध उत्पादन महिलाओं को ओर जोड़े तथा बताया कि अंत्योदय परिवार के दुग्ध उत्पादकों को हरियाणा सरकार द्वारा मुख्यमंत्री प्रोत्साहन योजना के तहत 10 रूपये प्रति लीटर अतिरिक्त व सभी उत्पादन को 5 रूपये प्रति लीटर 1 अप्रैल से 30 सित्मबर तक अतिरिक्त राशि दी जाती है।

श्रीमती अपर्णा जोशी प्रिंसिपल गुरूग्राम वर्ल्ड स्कूल ने महिलाओं को उनकी ताकत का अहसास कराते हुए कहा कि महिलाओं के बिना इस संसार की कल्पना ही नहीं की जा सकती और महिलाओं को अपनी–अपनी बेटियों की अच्छी शिक्षा देने पर जोर दिया। बेटी शिक्षित तो परिवार शिक्षित। उन्होंने भ्रूणहत्या को रोकने के लिए महिलाओं को मजबूती से आगे आने के लिए आह्वान किया। श्री विनय त्रिपाठी सहायक महाप्रबन्धक नाबार्ड ने महिलाओं के लिए नाबार्ड द्वारा दी जा रही योजनाओं के बारे में बताया।

राष्ट्रभक्ति की साकार अभिव्यक्ति है स्वदेशी

-योगेश शर्मा, प्रबन्ध निदेशक हाउसफैड

'स्वदेशी' का सिद्धांत 'स्वराज्य' की अवधारणा का मूलभूत आवश्यक अंग है। आर्थिक आत्मनिर्भरता की स्थिति में ही राष्ट्र वस्तुत संप्रभु बनता है। विकसित भारत की संकल्पना मूर्त रूप तभी ले पाएगी जब महान भारत के सभी प्रबुद्ध नागरिक राष्ट्रीय हितों के अनुसार आचरण करेंगे। राजनैतिक स्वतंत्रता आंशिक स्वतंत्रता है। आर्थिक, सांस्कृतिक स्वतंत्रता के आयामों पर भारत आज भी परतंत्र है। भारतीय, जीवन यापन हेतु सामान्य दैनिक वस्तुओं के क्रय हेतु विदेशी कंपनियों के उत्पादों को प्राथमिकता देते हैं। स्वाभाविक रूप से भारतीय पूंजी, विदेशों में जा रही है और भारत को विपन्न बना रही है। हम स्वेच्छा से अपनी मेहनत की कमाई विदेशों में भेज रहे हैं अंतत्वोगत्वा परिणाम ये हो रहा है कि रोजगार हेतु हमारी सबसे बड़ी पूंजी हमारे बच्चे भी विदेशों में जा रहे हैं। सामान्य भाषा में, बाजार में उपलब्ध उत्पाद तीन श्रेणियों में विभक्त हो सकते हैं। प्रथम, जिनका स्वामित्व विदेशी उद्योगपतियों/कंपनियों के पास है। द्वितीय, जिनका स्वामित्व भारतीय उद्योगपतियों के पास हैं। तीसरा, जिनका स्वामित्व सहकारिता के अंतर्गत सामूहिक रूप से भारतीयों के पास है।

प्रथम श्रेणी में हिंदुस्तान यूनीलीवर जैसी विदेशी कंपनियाँ हैं जिनके उत्पाद खरीदने से भारतीयों की पूंजी देश से बाहर चली जाती है। दूसरी श्रेणी में टाटा जैसी कंपनी है जो एक लाख से ज्यादा लोगों को रोजगार दे रही है। तीसरी श्रेणी में अमूल, वीटा, हैफेड, वेरका जैसे सहकारिता संस्थान हैं जिनका स्वामित्व, भारतीय सहकार सदस्यों के पास हैं। अमूल में दूध बेचने वाले लगभग 36 लाख भारतीय हैं जिनमें अधिकांश महिलाए हैं। अमूल के उत्पाद खरीदने का अर्थ है उन 36 लाख भारतीयों की सहायता करना, उनके रोजगार व भारतीय स्वामित्व को स्थायित्व देनेवाली सहकार संस्थाओं में रोजगार की संभावनाओं में वृद्धि करना।

महिला सशक्तिकरण पर बहुत अच्छा लेख लिखकर प्रतियोगिता जीतने व मंच पर प्रभावी वक्तव्य देने से ज्यादा महत्वपूर्ण है, अपने आचरण में शोधन करके भारतीयों की संस्थागत रूप में सहायता करना। इसी प्रकार क्रय हेतु भारतीय कंपनियों के उत्पादों को वरीयता देने से राष्ट्र का धन तो राष्ट्र में प्रयोग होगा ही, साथ ही, संबंधित लघु, सूक्ष्म, कुटीर भारतीय उद्यमों को भी प्रत्यक्ष व अप्रत्यक्ष सहायता देकर रोजगार के नए अवसर उपलब्ध होंगे। भारत एक श्रम बहुल राष्ट्र है तथा भारतीय उद्योग भी मुख्यत श्रम केंद्रित है। विदेशी कंपनियाँ मुख्यत पूंजी व मशीनरी केंद्रित हैं। स्वदेशी वस्तुओं का प्रयोग रोजगार के अवसरों में वृद्धि करता है तथा अंतत गरीबी व अपराध को कम करने में सहायक होता है।

योजनाओं को मेरी फसल मेरा ब्योरा से जोड़ा, किसान करवाएं पंजीकरण

पलवल, 5 मार्च : हरकोफैड द्वारा पैक्स उटावड़ पलवल में पैक्स सदस्यों तथा भावी सदस्यों हेतु किसान प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में श्री मित्रपाल शिक्षा अनुदेशक हरकोफैड द्वारा कार्यक्रम में उपस्थित लोगों को सहकारिता को ठीक से समझने राज्य व केन्द्र सरकार की वर्तमान समय में आ रही नई सहकारी योजना के बारे में अवगत कराया गया। उन्होंने सीएम पैक्स, एम पैक्स पर भी विस्तार से चर्चा की।

कृषि विभाग से एटीएम श्री अत्तर सिंह ने किसानों से प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना (पीएमएफबीवाई), मेरी फसल मेरा ब्योरा (एमएफएमबी) पर विस्तार पूर्वक चर्चा की गई। उन्होंने बताया कि आज किसानों को मिलने वाले सभी लाभों को मेरी फसल मेरा ब्योरा पोर्टल से जोड़ा हुआ है। इसीलिए किसानों को अपनी फसल का पंजीकरण इस पोर्टल पर करवाया जाना जरूरी हो गया है। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना करवाए जाने से किसानों की फसल के आपदा व अन्य कारणों से नुकसान होने पर भी भरपाई करवाई जाती है। इससे किसान की फसल सुरक्षित हो जाती है। उन्होंने किसानों को अन्य योजनाओं की भी विस्तार से जानकारी दी।

पलवल, 13 मार्च : हरकोफैड द्वारा गांव मालूका पलवल में किसान

प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में श्री मित्रपाल शिक्षा अनुदेशक हरकोफैड ने उपस्थित लोगों को सहकारिता के बारे में जागरूक किया। श्री अत्तर सिंह ने पीएम किसान योजना, मेरी फसल मेरा ब्योरा योजना वर्तमान में चल रही। विभिन्न कृषि विभाग की योजनाओं और तौर तरीको से कृषि करने आदि पर विस्तार से चर्चा की गई।

कृषि विभाग के संपर्क में रहकर योजनाओं की जानकारी लेते रहें किसान

नूंह, 4 मार्च :– हरकोफैड द्वारा गांव टाई जिला नूंह में चार मार्च को, गांव घासेड़ा व गांव रिठौरा में सात मार्च और गांव नौसेरा व गांव बझेड़ा में दस मार्च को किसान प्रशिक्षण कार्यक्रमों को आयोजन किया गया। किसानों को कृषि विभाग की योजनाओं की जानकारी मुहैया करवाई गई।

कृषि विभाग के ब्लॉक तकनीकी प्रबंधक श्री रवि श्रीवास्तव द्वारा कृषि विभाग में किसानों से संबंधित ऋण सुविधा व मशीनी उपकरण पर सबसिडी आदि योजनाओं के बारे में बताया। उन्होंने बताया कि समय समय पर किसानों के लिए विभिन्न योजनाओं के तहत ऋण की सुविधा मुहैया करवाई जाती है, जो कम ब्याज दर पर उपलब्ध करवाई जाती है। इसी तरह खेती के उपकरणों को भी सबसिडी पर देने की योजनाएं बनाकर आवेदन मांगे जाते हैं और किसानों को खेती पर सहयोगी कृषि यंत्र मुहैया करवाए जाते हैं। किसानों को भी कृषि विभाग के संपर्क में रहना चाहिए, ताकि ऐसी योजनाओं की जानकारी मिलती रही।

प्राकृतिक खेती डिप्लोमा होल्डर श्री प्रमोद कुमार व श्री महेश कुमार ने किसानों को प्राकृतिक खेती करने के तौर–तरीकों से रूबरू करवाया। उन्होंने खाद को कैसे तैयार करना है इसकी विधि समझाई और प्राकृतिक खेती से होने वाले लाभ के बारे में जानकारी दी। हरकोफैड अनुदेशक श्री संदीप ने सरकार द्वारा चलाई जा रही बीमा योजनाओं व प्रधानमंत्री मुद्रा लोन एवं सीएम पैक्स की सदस्यता एवं इसकी राशि के बारे में बताया। उन्होंने बताया कि कैसे किसान भाई अपनी किसी भी प्रकार की समिति बनाकर सहकारिता के माध्यम से अपना उत्थान कर सकते है।

प्रतियोगिता के टॉपर 5 विद्यार्थियों को पुरस्कार देकर किया सम्मानित

गुरूग्राम, 13 मार्च :– हरकोफैड द्वारा गांव खोड़ के न्यू हैप्पी चाइल्ड स्कूल व गांव पहाड़ी के गुरूग्राम वर्ल्ड स्कूल में विद्यार्थी चेतना कार्यक्रम का आयोजन किया गया। हरकोफैड अनुदेशक श्री संदीप ने बताया कि विद्यार्थियों को अपनी शिक्षा पूरी करने के बाद आत्मनिर्भर बनना चाहिए। ऐसा सहकारिता अपनाकर संभव है। विद्यार्थियों को सहकारिता अपनाने की विस्तृत जानकारी से अवगत करवाया गया।

स्कूल में एक प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में 9वीं से 12वीं कक्षा तक के विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया। टॉप पांच विद्यार्थियों को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। इस मौके पर श्री संदीप ने बताया

कि मौजूदा समय में प्रतिस्पर्धा काफी हद तक बढ़ गई है। इस युग में स्कूली समय से ही प्रतिस्पर्धा होनी चाहिए और अधिक से अधिक विद्यार्थियों को इस प्रतिस्पर्धा में हिस्सा भी लेना चाहिए। ताकि उन्हें आगे चलकर ऐसी प्रतियोगिताओं में हिस्सा लेने में कोई दिक्कत ना हो।

उन्होंने बताया कि हरकोफैड द्वारा स्कूलों में बच्चों के लिए प्रतियोगिताएं करवाई जाती है। हर जिले के स्कूलों, आईटीआई व अन्य शिक्षण संस्थों में ऐसे कार्यक्रम होते है। जहां पर उन्हें सहकारिता की जानकारी देकर खुद, परिवार व समाज को आगे बढ़ने का रास्ता दिखाया जाता है।

पैक्सों में ऑनलाइन सर्विस होने पर आएगी पारदर्शिता

पलवल 11 मार्च :– हरकोफैड द्वारा पशु विज्ञान केन्द्र पलवल में दो दिवसीय सहकारी कर्मचारी प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया गया। इसमें पलवल जिले की सभी बहुउद्देशीय प्राथमिक सहकारी समितियों व श्रम एवं निमार्ण प्रसंघ के कर्मचारियों ने भाग लिया।

हरकोफैड पंचकूला के सहायक सहकारी शिक्षा अधिकारी श्री सत्यानारायण यादव ने कर्मचारियों से सहकारिता को मजबूत करने के लिए नवीनतम पहल पर चर्चा की। उन्होंने कहा कि कर्मचारियों को सक्रिय होकर सहकारी योजनाओं को जमीनी स्तर पर लागू करके नया कीर्तिमान स्थापित करना चाहिए। ऐसा करके वो समाज व देश की अर्थव्यवस्था को मजबूत करने में अहम योगदान निभा सकते है, क्योंकि लगभग 90 प्रतिशत लोग सहकारिता से किसी न किसी रूप में जुड़े हुए है।

नाबार्ड के जिला विकास अधिकारी श्री जगदीश परिहार ने कर्मचारियों को कृषि बुनियादी ढांचा, विश्व की सबसे बड़ी अनाज भण्डारण योजना, जन औषधि केन्द्र, कॉमन सर्विस सेंटर (सीएससी) आदि योजनाओं के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि अब पैक्सों के माध्यम से गांवों व शहरों में इन योजनाओं को लागू किया जा रहा है। जहां पर सभी प्रकार के आवेदन

किए जा सकेंगे। उचित दामों पर दवाइयां उपलब्ध हो रही हैं। कृषि में सहयोगी सुविधाएं मुहैया हो रही हैं।

लीड बैंक मैनेजर पलवल श्री ओमप्रकाश ने विभिन्न प्रकार की रिपोर्ट बनाने व उनके महत्व को समझाया। उन्होंने कर्मचारियों से ऋण रिकवरी टूल के बारे में विस्तृत चर्चा की। कर्मचारियों के एक प्रश्न के जवाब में उन्होंने वादा किया कि वे जिले के सभी बैंकों में एक पत्र जारी करेंगे, जिससे सभी बैंक लोन देते समय सम्बन्धित एक पैक्स से ''नो ड्यूज प्रमाण पत्र'' लेंगे। इससे पैक्स की रिकवरी बढ़ेगी और डिफाल्टर दिमाग के व्यक्ति को ऋण नहीं दिया जाएगा।

लेखाकार श्री शिवम गौतम ने बताया कि पूरे हरियाणा में पैक्स का कम्प्यूटराइज्ड सर्विस प्राईवेट लिमिटेड द्वारा किया जा रहा है। अभी हरियाणा में 12 एमपैक्स आनॅलाइन हो गई हैं। सभी कर्मचारियों की अपनी–अपनी पैक्स के डेटा सक्रिय होकर फीड कराने के बारे में बताया। पैक्स कम्प्यूटराइज्ड होने के बाद पारदर्शिता बढ़ेगी और कर्मचारियों का कार्य बहुत ही आसान हो जाएगा।

दी केन्द्रीय सहकारी बैंक फरीदाबाद के नोडल अधिकारी श्री उदय पाल भाटी ने कर्मचारियों को डिपॉजिट मोबिलाइजेशन के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि सभी कर्मचारी अपने सदस्य को सहकारी बैंक में उनकी बचत को डिपॉजिट करने के लिए प्रेरित करें।

किसान अपनी जानकारियों में इजाफा करते हुए योजनाओं का फायदा उठाएं

सोनीपत, 4 मार्च :– हरकोफैड द्वारा सहकारी चीनी मिल जिला सोनीपत के प्रांगण में किसानों के उत्थान में सहकारी चीनी मिलों का योगदान विषय पर एक विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया। विचार गोष्ठी में सहकारी चीनी मिल सोनीपत प्रबन्ध निदेशक श्री संजय कुमार मुख्यातिथि और शिक्षा अधिकारी हरकोफैड पंचकूला श्री जगदीप सिंह आयोजक अधिकारी के तौर पर उपस्थित रहे। शिक्षा अनुदेशक श्रीमति ज्योति ने कार्यक्रम का आरम्भ सभी अधिकारियों, वक्ताओं व सहकारी/किसान बन्धुओं का अभिवादन करते हुए आयोजक संस्था हरकोफैड की गतिविधियों पर प्रकाश डाला।

प्रबन्ध निदेशक श्री संजय कुमार ने कहा कि कार्यक्रम ज्ञानवर्धक, प्रेरणादायक व प्रोत्साहित करने वाला रहा। उन्होंने कार्यक्रम आयोजन हेतू हरकोफैड का धन्यवाद देते हुए निरन्तर इस तरह के कार्यक्रम करने का सुझाव दिया। उन्होंने किसान बन्धुओं से आग्रह किया कि सरकार के विभिन्न विभागों द्वारा किसानों के लिए नित नई नई कल्याणकारी योजनाऐं दी जा रही है। अतः किसान बन्धुओं को कार्यक्रमों के माध्यम से अपनी जानकारियों में इजाफा करते हुए ऐसी योजनाओं का अधिक से अधिक फायदा उठाना चाहिए।

शिक्षा अधिकारी हरकोफैड पंचकूला श्री जगदीप सिह ने विभिन्न सहकारी समितियों द्वारा किसानों के सामाजिक, आर्थिक उत्थान हेतू चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं की जानकारी दी। उन्होंने एग्रीकल्चर इन्फ्रास्ट्रक्चर फंड, जीरो बजट प्राकृतिक खेती, प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना व जीवन सुरक्षा बीमा योजना के बारे में बताया। उन्होंने किसान बन्धुओं से इन योजनाओं का लाभ लेने का आग्रह किया।

कृषि विभाग के गन्ना विकास अधिकारी श्री राजबीर ने उनके विभाग द्वारा किसानों हितैषी चलाई जा रही विभिन्न सुविधाओं व योजनाओं की जानकारी दी।

सहकारी चीनी मिल के गन्ना प्रबन्धक श्री राजेश कुमार ने मिल के माध्यम से किसानों के लिए दी जा रही सुविधाओं की जानकारी देते हुए आग्रह किया कि किसान बंधु गन्ने को मिल में लाते समय क्या–क्या सावधानी रखें और किस तरह सहयोग देकर चीनी मिल को आगे ले जाने में योगदान दें।

कृषि विशेषज्ञ डॉ. परमीन्द्र सिंह ने किसान बन्धुओं को अधिक गुणवत्ता वाली फसल लेने के तरीके सुझाते देते हुए विभिन्न फसलों में लगने वाली विभिन्न बीमारियों से बचाव, उपचार व सावधानियों के बारे में जानकारी दी। कार्यक्रम के दौरान शिक्षा अनुदेशक रोहतक श्रीमति अर्चना देवी व शुगर मिल सोनीपत के कर्मचारियों ने विशेष सहयोग दिया।

प्राकृतिक खेती से मिलने वाली फसल देगी ज्यादा मुनाफा

पलवल, 7 मार्च : हरकोफैड द्वारा पैक्स गहलव पलवल में पैक्स सदस्यों एवं भावी सदस्यों हेतु किसान प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में श्री मित्रपाल शिक्षा अनुदेशक हरकोफैड द्वारा उपस्थित व्यक्तियों को विभिन्न सहकारी योजना आदि के बारे में विस्तार पूर्वक समझाया।

श्री अत्तर सिंह ने किसानों को प्राकृतिक खेती करने के बारे में अपने विचारों को सांझा किया। उन्होंने कहा कि प्राकृतिक खेती करना किसानों के लिए आसान है और उसके लिए किसान के पास सबसे पहले देशी गाय होनी चाहिए। जिसके मल व मूत्र के प्रयोग से प्राकृतिक खादों को आसानी से तैयार किया जा सकता है।

उन्होंने बताया कि प्राकृतिक खेती शुरू करते हुए शुरूआत में किसान को कम पैदावार मिलेगी। भूमि में मौजूद रसायन का असर भी कई फसलों के लिए जाने के बाद खत्म होगा। जब करीब तीन साल बाद रसायनों का असर कम हो जाएगी तब मिलने वाली फसल के पैदावार का भाव आम फसल के भाव से कई गुणा ज्यादा मिलेगा। ये लाभ अन्य फसलों की बजाए ज्यादा लाभ देने वाला होगा।

श्री राजेश ने अपना उदाहरण देकर प्राकृतिक तौर तरीके अपनाकर प्राकृतिक खेती करने व प्राकृतिक खेती के फायदे व वर्तमान कृषि के नुकसानों के बारे में विस्तार पूर्वक समझाया। उन्होंने किसानों से प्राकृतिक खेती करने का आग्रह किया। श्री मित्रपाल ने बताया कि हरकोफैड द्वारा किसानों को जागरूक करने के लिए ऐसे कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता है। किसानों को इन कार्यक्रमों में ज्यादा से ज्यादा संख्या में हिस्सा लेकर उनका लाभ उठाया जाना चाहिए।

पशुओं खनिज मिश्रण खिलाने से मिलता है लाभ

रोहतक, 6 मार्च :– हरकोफैड द्वारा जिला रोहतक के गांव बोहर, गांव पाकस्मा, गांव बलियाणा, गांव खरावड और गांव चुलियाणा में सदस्य जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन किया।

इन कार्यक्रमों में शिक्षा अनुदेशक श्रीमति अर्चना देवी ने कार्यक्रम की शुरूआत करते हुए सदस्यों को सहकारिता की परिभाषा व सहकारिता के सिद्धान्तों के बारे विस्तार से बताया। उन्होंने हरकोफैड द्वारा चलाई गए ट्रैनिंग प्रोग्राम का भी ज्यादा से ज्यादा फायदा उठाने के बारे में जागरूक किया। उन्होंने कहा कि इन कार्यक्रमों में प्रशिक्षण लेकर महिलाएं अपना काम आसान से शुरू कर सकती हैं। जिन बहनों को सिलाई आती है, वे एक समूह बनाकर सेन्टर खोलें और वहीं पर सिलाई का काम मिलजुल कर करें। आज देहात में टेलरों की बहुत अहमियत है।

उन्होंने कहा कि बेरोजगारी की लाइन में ना खड़ा होकर अपना स्वयं का

काम करो और औरों को भी काम दो। मोटा अनाज खाने में ज्वार बाजरा, चना, रागी, कागनी आदि खाने से होने वाले फायदों से अवगत करवाया गया। ऋण द्वारा लिया हुआ पैसा वापिस जमा करवाने के फायदे बताये। सदस्यों ने बहुत ही ध्यानपूर्वक सुनते हुए बताया कि हां हमें समय पर ही ऋण चुकाना चाहिए।

लाला लाजपत राय पशुचिकित्सा एवं पशु विज्ञान केन्द्र रोहतक के प्रभारी डॉ. राजेन्द्र सिंह द्वारा प्रतिभागियों को हरा चारा छाया में सूखाकर कैसे स्टोर करें और फिर बिना मौसम के भी हम पशुओं को हरा चारा खिला सकते है। उन्होंने पशुओं के नीचे साफ–सफाई रखने, साफ पानी पिलाने, गर्मी व सर्दी में उचित देखभाल करना आदि के बारे में जानकारी दी। किसानों को बेबी पशुओं को जूण हो जाने के बाद कैसे लस्सी में नमक और तेल देने से कैसे फायदा मिलता है। एक दवाई देने के बाद 15 दिन में दूसरी कम्पनी की दवाई अच्छा रिजल्ट देती है।

डॉक्टर ने प्रतिभागी पशुपालकों को पशुपालन में नस्लों का चुनाव व नस्ल सुधार कार्यक्रम नवजात पशु की देखभाल व खीस पिलाने का महत्व, पशुओं के लिए सन्तुलित आहार कैसे बनाने व खिलाने, आरामदायक गृह व्यवस्था व बीमारियों से बचाव के लिए मौसम के अनुसार प्रबंध व टीकाकरण के बारे में विस्तार से जागरूक किया। इसके साथ–साथ पशु जीवन में साफ व स्वच्छ पानी के महत्व के साथ साथ खनिज मिश्रण खिलाने के बारे में विस्तार से फायदे बताए। उन्होंने बताया कि महिलाओं के लिए अनेक योजनाएं शुरू की हुई है जो महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाती है।

किसान गांवों में प्योरीफाई, बायोगैस जैसे प्लांट लगाकर बढ़ाएं आमदनी

रोहतक, 7 मार्च :– हरकोफैड द्वारा जिला रोहतक के पैक्स भालौढ, पैक्स आसन, पैक्स बहन्बा, डेयरी बहल्बा में किसान प्रशिक्षण शिविरों का आयोजन किया गया। इन कार्यक्रमों में करीब 220 किसानों ने भाग लिया।

शिक्षा अनुदेशक श्रीमती अर्चना देवी ने किसानों को सीएम पैक्स बनाने और उससे सम्बन्धित कार्य करके भी आमदनी बढ़ाने के बारे में प्रेरित किया। उन्होंने बताया कि हर गांव में गन्दे पानी को प्योरीफाई करके खेतों में सिंचाई लायक बनाया जा सकता है। किसान अपने छोटे से प्रयास से बायोगैस प्लांट लगा सकते हैं व कैसे सस्ती गैस प्राप्त कर सकते है और गांव में सस्ती गैस सप्लाई कर सकते है। इससे गांव में स्वच्छता के साथ–साथ खुशहाली भी आयेगी। उन्होंने सहकारी क्षेत्र से जुड़कर योजनाओं का लाभ उठाने का आहवान किया।

जैविक खेती करने वाले श्री वीरेन्द्र सिंह व श्री अशोक कुमार ने आह्वान किया कि कैसे किसान अपनी और गांव वालों की सेहत का ख्याल रख सकते है। ये कोशिश इंसानियत के साथ–साथ समय की जरूरत है। अगर हम समय रहते नहीं चेते तो आने वाली जनरेशन को स्वास्थ्य सम्बन्धी समस्याओं से जूझना पड़ेगा। इसलिए आओ हम पहल करें जैविक उगाये व जैविक ही परोसे।

खेती–बाड़ी के बारे में आधुनिक तकनीक की उचित जानकारी देते हुए बताया कि किसान को समय रहते चेतना पड़ेगा, क्योंकि किसान के कन्धों पर ही आमजन की जिम्मेदारी है। एक किसान अन्नदाता है, अगर वो ही दूषित और कैमिकल भरा अनाज पैदा करेगा तो विकराल रूप धारण कर चुकी बीमारियों के बीच जीवन खतरे में है।

उन्होंने बताया कि कैसे हम देसी खाद का उपयोग करके फसल तैयार करते है। इसमे पैदावार तो कम होती है, मगर बेचने के सही तरीके से कैसे अच्छी कीमत प्राप्त कर सकते है। उन्होंने गांव वालों को समझाया कि देसी खाद से तैयार फसल, आज के समय में और विकराल रूप लेती बीमारियों के बीच जैविक पैदावार ही हमें बचाए रख सकती है। हमारा स्वास्थ्य इसी से बना रह सकता है वर्तमान में जैविक हर मानव, जीव जन्तु की जरूरत है।

पूर्व पशु चिकित्सक प्रोफेसर डॉ. राजेन्द्र सिंह द्वारा प्रतिभागियों को अपने व परिवार की आमदनी पशु पालन के माध्यम से बढ़ाने के गुर प्रदान किए गए।

महिलाएं समितियों को दूध देकर स्वयं व अपने परिवार को बनाएं सशक्त

गुरूग्राम, 11 मार्च :– हरकोफैड द्वारा गांव खोड़ जिला गुरूग्राम में खोड़ महिला दुग्ध सहकारी समिति में सदस्य जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। हरकोफैड अनुदेशक श्री संदीप ने वीटा प्लांट द्वारा चलाई जा छात्रवृति योजना, बीमा योजनाओं के बारे में जानकारी दी।

उन्होंने बताया कि दूध उत्पादकों के लिए कई प्रकार की योजनाएं बनाई हुई हैं, जिनका लाभ उठाने के लिए दुग्ध उत्पादकों को दुग्ध समितियों के सदस्य बनकर अपने दूध को समितियों को देना चाहिए। जहां पर दुग्ध उत्पादकों को अपने दूध का उचित दाम मिलने के साथ–साथ अन्य योजनाओं का लाभ भी दिया जाएगा। उन्होंने बताया कि दूध उत्पादकों के बच्चों का 10वीं व 12वीं कक्षा में मेरिट आने पर उन्हें प्रोत्साहन स्वरूप नकद पुरस्कार देकर सम्मानित किया जाता है। साथ ही दुग्ध उत्पादकों की बेटियों की शादी के समय और घर में बेटी पैदा होने पर भी सहयोग की योजनाओं का लाभ दिया जाता है।

श्री संदीप ने बताया कि सरकार द्वारा प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना, प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना भी चलाई हुई हैं, जो आमजन के लिए काफी लाभकारी योजनाएं हैं। इन योजनाओं की विस्तृत जानकारी से महिला सदस्याओं को लाभांवित किया गया। उन्हें बताया कि कैसे समिति के माध्यम से महिलाएं ज्यादा से ज्यादा दूध देकर स्वयं को व अपने परिवार को सशक्त बना सकते है।

12 मार्च :– हरकोफैड द्वारा गांव छावण में 3 दिवसीय महिला प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में महिलाओं को जुट के पिटठू बैग बनाने का प्रशिक्षण दिया गया ताकि महिलाएं आत्मनिर्भर बन सके। वे अपने आप को सशक्त कर सके और परिवार के गुजर–बसर में अपना योगदान दे सके। शिविर में महिलाएं कैसे सहकारिता के माध्यम से अपना उत्थान कर सकती है, इसकी पूरी जानकारी दी गई।

योजना

हरको बैंक की दो बेहतरीन योजनाएं

1. एफडी
2. आरडी

चण्डीगढ, 7 मार्च :– हरियाणा राज्य सहकारी बैंक द्वारा राज्य में सामाजिक दृष्टिकोण के अंतर्गत 18 वर्ष तक आयु के लड़के–लड़कियों के लिए दो बेहतरीन हमारी बिटिया डिपोजिट व हमारा लाडला डिपोजिट स्कीम नामक दो नई योजनाएं प्रारम्भ की गई है। इनके तहत बच्चों के नाम पर एफडी व आरडी जमा करवाने पर 7.25 प्रतिशत तक त्रैमासिक चक्रवृद्धि ब्याज दिया जा रहा है।

हरियाणा राज्य सहकारी अपेक्स बैंक के प्रबंध निदेशक डॉ. प्रफुल्ल रंजन ने बताया कि हमारी बिटिया डिपोजिट स्कीम के तहत नाबालिग बालिका जिनकी आयु 18 वर्ष तक है उनके अभिभावक संरक्षण के अंतर्गत बैंक में एफडी या आरडी का खाता खुलवा कर राशि जमा करवा सकते हैं।

उन्होंने बताया कि दूसरी नई योजना हमारा लाडला डिपोजिट स्कीम भी प्रारम्भ की गई है। इसमें नाबालिग लड़के की आयु 18 वर्ष तक है, उन्हें एफडी व आरडी का खाता शुरू करने पर 7.10 प्रतिशत त्रैमासिक चक्रवृद्धि ब्याज दिया जा रहा है।

प्रबंधक ने बताया कि हरको बैंक द्वारा शुरू की गई दोनों नई स्कीमें 31 मार्च 2024 तक लागू की गई है। हरियाणा राज्य सहकारी अपैक्स बैंक लि0. (हरको बैंक) चण्डीगढ़ की राज्य में 13 शाखाएं व चण्डीगढ़ व पंचकूला में 2 विस्तार पटल स्थित है। बैंक का वित्तीय वर्ष 2022–23 के दौरान 88.52 करोड़ रूपये का शुद्ध लाभ रहा तथा पूंजी 5280 करोड़ रूपये रहा।

उन्होंने नागरिकों से अनुरोध किया है कि बैंक द्वारा 18 वर्ष आयु तक के लड़के व लड़कियों के बहुत ही महत्वाकांक्षी योजनाएं शुरू की हुई है। इसलिए जिनके बच्चों की आयु 18 वर्ष तक है, उनके अभिभावकों को इन योजनाओं को लेकर आकर्षक चक्रवृद्धि ब्याज का लाभ उठाना चाहिए।

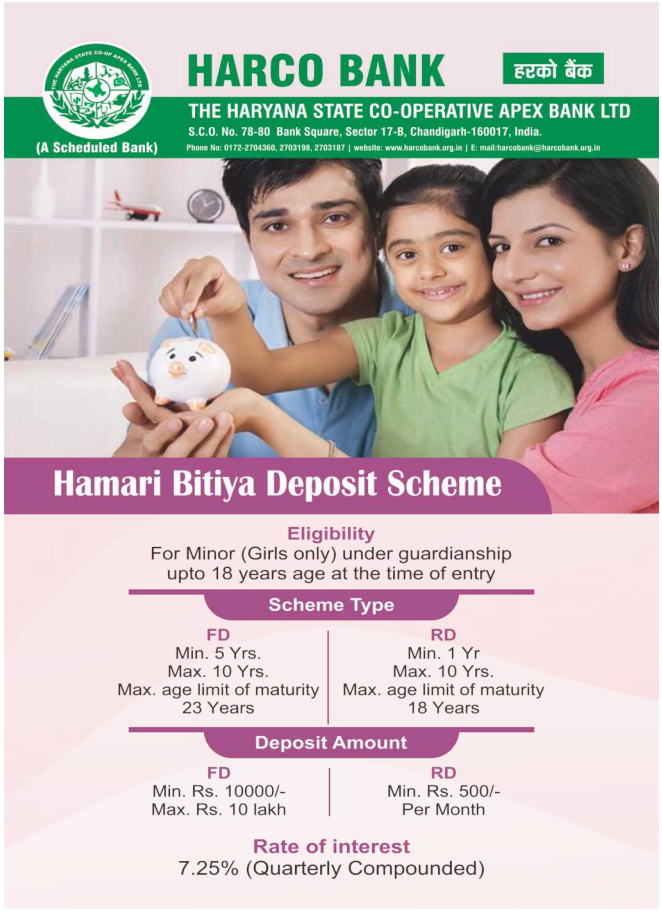

सफलता की कहानी

जैविक खेती करने वाले प्रगतिशील किसान आयुर्वेदिक दवाएं और काड़े खुद करते हैं तैयार

—प्रदीप ढुल

हर व्यक्ति की किसी ना किसी क्षेत्र में रूचि होती है। वो रूचि उसकी रगों में बसी होती है। कैथल के गांव पाई निवासी श्री प्रदीप ढुल की रंगों में खेती के प्रति प्यार भरा हुआ है। खेती उनके डीएनए में है। पेशे से आयुर्वेदिक दवाओं का काम भी कर रहे हैं, ताकि लोगों की सेहत तंदुरुस्त रहे। इसी नजरिये से वो जैविक खेती को अपना रहे हैं। इसलिए वे इसके विकास और प्रचार के लिए काम करते रहते हैं।

श्री प्रदीप ढुल ने बताया कि कोराना के समय में लोगों को अपनी प्रतिरोधक क्षमता का पता चला। साथ ही लोगों ने अपने खानपान में भी बदलाव किया, लेकिन सबसे बड़ी समस्या थी कि वे शुद्ध खाद्य पदार्थ कहां से हासिल करें। ऐसे में जैविक खेती लोगों का सहारा बनी। वे कहते हैं कि जैविक खेती आपको सेहत देती है, जबकि रासयनिक खेती से सिर्फ नुकसान ही होता है।

किसान ने बताया कि ऑर्गेनिक खेती करके आयुर्वेद की भी सेवा में जुटे हैं। वे विभिन्न प्रकार की जड़ी बूटियां उगाते हैं और उनसे दवाएं बनाते हैं। वे कहते हैं कि 15 अगस्त 2012 में उन्होंने इसकी शुरुआत की। पहले वे आशंकित थे कि पारंपरिक खेती को छोड़कर वे आयुर्वेद में कैसे कामयाब होंगे, लेकिन उनकी मेहनत रंग लाई और वे इस क्षेत्र में भी कामयाब हुए।

श्री प्रदीप आयुर्वेदिक दवाएं और काड़े खुद तैयार करते हैं। इसके लिए वे पहले जैविक खेती के जरिए जड़ी बूटियों को उगाते हैं और उसके बाद उससे दवाएं बनाते हैं।

उनकी दवाएं हरियाणा ही नहीं बल्कि पूरे देश में सप्लाई हो रही हैं। यही कारण है कि लोगों का विश्वास उनके ब्रांड में बढ़ता ही चला जा रहा है।

किसान बताता हैं कि ऑर्गेनिक खेती आज की जरूरत है। हालांकि इसमें अधिक लोगों को सफलता नहीं मिली है, लेकिन यह बहुत जरूरी है। रसायनों के कारण धरती जहरीली होती जा रही है। इसका सीधा असर हमारी सेहत पर हो रहा है। इस कारण कैंसर जैसी गंभीर बीमारी तेजी से बढ़ रही है। अगर समय रहते सभी चेत जाएंगे तो कई जिंदगियों को बचाया जा सकेगा।

कविता

मतदान

सब कामों को छोड़कर करना है मतदान।
रखना है हमको सदा लोकतंत्र का मान।

जाति धर्म सब भूलकर निर्णय करे समाज ।
होगा खूब विकास फिर होंगे सारे काज ।

विज्ञापन या व्हाट्सएप्प, ये क्या देंगे राय।
खुद को जो अच्छा लगे, वहीं चुना बस जाय।

शोर शराबे से कभी, मत होना कंफ्यूज।
जो लालच या धौंस दे, करना उसे रिफ्यूज ।

इक-इक मत है कीमती, यह मत जाना भूल ।
वोटिंग पावर आज है, सबसे बड़ा उसूल ।

शासन मन का चाहिए, तो लो कदम उठाए ।
चिड़िया जो चुग जाएगी, क्या होगा पछताए ।

'शरद' करे विनती यही, करिएगा मतदान।
दुनिया भी देखे जरा, इस जनमत की शान।

श्रीमती सुदेश रानी, कुरुक्षेत्र।

अप्रैल महीने में किसानों द्वारा किये जाने वाले कार्य

गेहूं और जौ

गेहूं की बालों का रंग जब सुनहरा या ललाई लिए हो तो फसल को पकी समझें। ज्यादा पकने से दाने झड़ने का डर रहता है। थ्रेशर मशीन को समतल जमीन पर ही स्थापित करें ताकि चलते समय कम से कम कम्पन हो। मशीन को चलाने से पहले हाथ द्वारा एक चक्कर लगा कर देख लें कि कहीं रुकावट तो नहीं है। थ्रैशर मशीन के पहियों को जमीन में गाड़ कर खूंटियां लगा दें और आवश्यकता हो तो फ्रेम पर भार/वजन आदि रखें। भूसे की निकासी हवा चलने की दिशा की ओर हो। थ्रेशर को सही चक्करों पर ही चलाएं। थ्रैशर सिलेंडर उसी दिशा में घूमना चाहिए जैसा कि निशान द्वारा दर्शाया गया हो, वरना पट्टे क्रॉस करके इसकी दिशा ठीक करनी चाहिए ताकि थ्रैशर सही चक्करों पर ही चले।

सूरजमुखी

सूरजमुखी की बिजाई के 3 से 6 सप्ताह बाद दो निराई–गोडाई करें एवं उगते बीज को पक्षियों से बचाएं। कटुआ सूण्डी रात में फसल को नुकसान करती है। इस कीट के नियंत्रण के लिए 10 कि.ग्रा. फेनवेलरेट 0.4 प्रतिशत धूड़ा प्रति

एकड़ खेत में ठीक से मिलाएं या हल्की सिंचाई कर दें। इसके अलावा 80 मि.ली. फेनवेलरेट 20 ई.सी. या 50 मि.ली. साईपरमेथ्रिन 25 ई. सी. या 150 मि.ली. डैकामैथरीन 2.8 ई. सी. 100 लीटर पानी में मिलाकर प्रति एकड़ भी छिड़क सकते हैं। बीजोपचार 3 ग्राम थाइरम प्रति किलोग्राम बीज की दर से अवश्य करें।

अरहर

अरहर की बिजाई मध्य जून तक करें, परंतु मानक व पारस को मध्य–जुलाई तक बोया जा सकता है। यद्यपि मध्य–अप्रैल की बिजाई से अधिक उपज मिलती है। अरहर की मुख्य उपयुक्त किस्में, यूपीएएस 120 (मार्च से जुलाई के प्रथम सप्ताह), मानक व पारस (15 जून से 15 जुलाई) हैं। एक एकड़ के लिए 5 से 6 किलोग्राम बीज काफी होता है। बीजने से पहले अरहर के बीजों को अरहर के राईजोबियम के टीके से उपचारित करें। बिजाई पोरा विधि से दो खूडों का फासला 40 सेंटीमीटर रखकर करें। अरहर की पूरी पैदावार लेने के लिए 100 किलोग्राम सिंगल सुपर फास्फेट तथा 18 किलोग्राम यूरिया खाद प्रति एकड़ बिजाई के समय ही पोर दें।

मिर्च

फसल की सिंचाई करें और खरपतवारों को निकालते रहें। खड़ी फसल में तीन सप्ताह के बाद तथा दूसरी बार फूल आने के समय 12 कि.ग्रा. नाइट्रोजन प्रति एकड़ की दर से दें तथा सिंचाई करें। फूल आने के समय प्लानोफिक्स के घोल का (1 मिलीलीटर प्लानोफिक्स को 4 लीटर पानी में मिलाएं) छिड़काव करें तथा इसे तीन सप्ताह बाद दोहराएं। ऐसा करने से फल कम गिरते हैं तथा उपज अच्छी होती है। चुरड़ा और सफेद मक्खी से बचाव के लिए 400 मि.ली. मैलाथियान 50 ई.सी. को 250 लीटर पानी में मिलाकर प्रति एकड़ फसल पर छिड़काव करें। छिड़काव आवश्यकतानुसार 15–20 दिनों के अंतर पर करें। विषाणु रोग, जो सफेद मक्खी द्वारा फैलते हैं, का भी बचाव इस दवा के प्रयोग से हो जाता है। हरी तैयार मिर्चों को तोड़कर बाजार भेजें।

गन्ना

गन्ने की बिजाई के लगभग 40 दिन बाद पहला पानी लगाएं। बत्तर आने पर गुड़ाई करें। यदि बिजाई के समय एट्राजीन नहीं डाल पाये हों तो पहली सिंचाई के बाद गोड़ाई करके 1.6 किग्रा. एट्राजीन–50 घु.पा. प्रति एकड़ की दर से 200–250 लीटर पानी में घोलकर खड़ी फसल में छिड़काव करें। इससे गन्ना फसल पर कोई दुष्प्रभाव नहीं पड़ता। अन्तः फसलीकरण में इस शाकनाशक का प्रयोग न करें। चौड़ी पत्ती वाले खरपतवारों का नियन्त्रण करने के लिए 1.0 किग्रा. 2,4–डी (80 प्रतिशत सोडियम नमक) 250 लीटर पानी में बिजाई के 7–8 सप्ताह बाद प्रति एकड़ छिड़काव करें। यदि फसल में मोथा घास (डीला) की समस्या हो तो घास उगने पर 2, 4–डी ईस्टर का 400 मि.ली. प्रति एकड़ की दर से छिड़काव करें। यदि मोथा घास दोबारा उग जाए तो दवाई की इसी मात्रा का फसल में छिड़काव करें। 2,4–डी मोथा घास को ऊपर से ही नष्ट करती है। मोथा घास (डीला) की रोकथाम के लिए सैंम्प्रा (75 प्रतिशत हैलोसल्फ्युरान) का 36 ग्रा. प्रति एकड़ की दर से 200 लीटर पानी में घोलकर बिजाई के 35–45 दिन बाद (पहली सिंचाई के 2–3 दिन बाद) जब मोथा घास 3–5 दिन की हो तब फ्लैट फैन नोजल से छिड़काव करें। अन्तः फसलीकरण में इस शाकनाशक का प्रयोग न करें।

संतरा, माल्टा, नींबू

सात साल से अधिक आयु के पौधों में आधी बची हुई 750 ग्राम यूरिया प्रति पौधा डालें और हल्की गुड़ाई करके सिंचाई करें। 1.5 किलोग्राम कॉपर ऑक्सीक्लोराइड को 500 लीटर पानी में घोल कर छिड़कें। 15 दिन बाद 1.5 किलोग्राम बुझा हुआ चूना व 3 किलोग्राम जिंक सल्फेट को 500 लीटर पानी में घोल कर छिड़काव करें। संतरा व माल्टा में फल गिरने की समस्या को कम करने हेतु 6 ग्राम 2,4 डी, 12 ग्राम ओरियोफंजीन व 3 किलोग्राम जस्ता और 1.5 किलोग्राम चूना को 550 लीटर पानी में मिलाकर पौधों पर इस माह के आखिर में छिड़कें।

नींबू जाति के पौधों को नींबू का तेला (सिल्ला), सफेद मक्खी तथा सुरंगी कीड़े, पत्तों, टहनियों तथा फलों में से रस चूसकर तथा टेढ़ी–मेढ़ी सुरंगें बनाकर भारी नुकसान करते हैं। इन कीड़ों के अधिक आक्रमण से पत्ते पीले पड़ जाते हैं। नींबू के तेला व सुरंगी कौट के नियंत्रण हेतु अप्रैल लगते ही 625 मि.ली. रोगोर 30 ई.सी. को 500 लीटर पानी में मिलाकर प्रति एकड़ बाग में छिड़कें। यदि सफेद मक्खी का आक्रमण हो तो 500 मि.ली. मोनोक्रोटोफॉस 36 डब्ल्यू.एस. सी. प्रति एकड़ छिड़कें।

अंगूर

नए लगाए बाग में 25–30 ग्राम यूरिया प्रति बेल दूसरे सप्ताह डालें और सिंचाई करें। इसके अतिरिक्त मुख्य तने व पत्तियों के बीच से निकलने वाली टहनियों को तोड़ते रहें। बेलों के सौधा बढ़ने के लिए सीढ़ियों या बांस का सहारा दें। पांच साल से ऊपर के फल दे रहे पौधों में 340 ग्राम यूरिया व 500 ग्राम पोटाशियम सल्फेट डालें और गुड़ाई करके सिंचाई करें। 15 अप्रैल के बाद सिंचाई हर सप्ताह करनी आवश्यक है। बीज रहित अंगूर की किस्मों से अधिक उपज लेने के लिए पूरी तरह फूल आ जाने की हालत में 20 पी. पी. एम. (20 कि.ग्रा. प्रति लीटर), जी. ए. व फल लगते समय 40 पी. पी. एम. (40 कि.ग्रा./लीटर) का छिड़काव करें। अंगूर की नई कॉपलों को, अंगूर के चुरड़ा, जो छोटे–छोटे पतले शरीर चाले भूरे रंग के कीड़े होते हैं, भारी क्षति पहुंचाते हैं।

बोधकथा

खुशबू को ठुकराकर बहती हवा का हुआ अपमान...

उत्तुंग पर्वत–शृंखलाओं की बर्फीली चोटियों के स्पर्श से स्नात सुबह की शीतल हवा सबसे बेखबर अपनी ही मस्ती में बहती हुई जा रही थी। जब वह जंगल से गुजर रही थी तो फूलों से लदी खुबसूरत–सी अल्हड़ एक वन्य लता ने अपनी खुशबू बिखेरते हुए और अपने रंगों को झलकाते हुए उसे आवाज दी और कहा, '' ऐ शीतल हवा! तनिक मेरे समीप आओ और मेरी खुशबू से ओतप्रोत होकर इस संसार को शीतल ही नहीं सुगंधित भी करती हुई चली जाओ।'' लेकिन गर्वोन्नत वायु ने सुगंध बांटने को आतुर लता की एक न सुनी और इठलाती हुई आगे बढ़ गई।

कुछ देर के बाद हवा वापस वहीं लौटकर आ गई, जहां वन्य लता से उसकी वार्तालाप हुई थी। हवा की सारी मस्ती हवा हो चुकी थी। उसकी चंचलता जाती रही थी और वह एकदम उदास थी। वह चुपचाप उस वन्य लता के समीप बैठ गई।

हवा को इस हालत में देखकर वन्य लता ने उससे पूछा, '' अभी कुछ देर पहले ही तो तुम यहां से गुजरी थी और अत्यंत प्रसन्नचित्त लग रही थी और अब इतनी उदास दिखलाई पड़ रही हो। क्या बात है? क्या मैं तुम्हारी कुछ मदद कर सकती हूँ?'' यह सुनकर हवा की आंखों से अश्रु झरने लगे।

हवा ने कहा, '' मैंने अहंकारवश तेरी बात ही नहीं सुनी और न तेरी खुशबू को ही साथ लिया, लेकिन मैं जैसे ही आगे बढ़ी तो गंदगी और बदबू में घिर गई। मैं किसी तरह गंदगी और बदबू से बचकर आगे बढ़ी और घरों तक जा पहुंची, लेकिन लोगों ने मेरा स्वागत करने की बजाय अपने घरों की खिड़कियां और दरवाजे बंद कर लिए।''

हवा ने आगे कहा कि इसमें उनका भी कोई दोष नहीं। मुझमें ही दुर्गंध व्याप्त हो गई थी। भला दुर्गंधयुक्त वायु का कोई कैसे स्वागत कर सकता है? काश! मैंने तुम्हारी बात मान ली होती। तुम्हारा सहयोग ले लिया होता। तुम्हारी गंध समेट ली होती, आज की स्थिति ने मुझे बहुत कुछ सिखाया है बात ना मानने पर अपमान का सामना करना पड़ा। लेकिन आज मैं संकल्प लेती हूँ कि आगे से मैं सबके सहयोग का स्वागत करूंगी, क्योंकि एक दूसरे के सहयोग के बिना हम न केवल स्वयं आगे नहीं बढ़ सकते हैं, अपितु समाज के लिए भी कुछ नहीं कर सकते।''

सीताराम गुप्ता, पीतमपुरा, दिल्ली

IFFCO
पूर्णतः सहकारी स्वामित्व
Wholly owned by Cooperatives
इफको नैनो यूरिया एवं
इफको नैनो डीएपी का वादा,
उपज अधिक और लाभ ज्यादा
500 मिली
₹600/- में
500 मिली
₹225/- में
IFFCO
पूर्णतः सहकारी स्वामित्व
Wholly owned by Cooperatives
NANO
DAP
Nano Di Ammonium Phosphate
LIQUID (8:16:0)
CROP NUTRITION REDEFINED
Seed Primer | Growth Enhancer | Yield Booster
Less Cost, More Profits
Suitable for all Crops
NANO FERTILIZER
FCO APPROVED
IFFCO
पूर्णतः सहकारी स्वामित्व
Wholly owned by Cooperatives
NANO
UREA
LIQUID (4% N w/v)
CROP NUTRITION REDEFINED
Environment Friendly
Growth Enhancer
Yield Booster
One Bottle is Equal to One Bag of Urea
Less Cost, More Profits
Suitable for all Crops
NANO FERTILIZER
FCO APPROVED
अधिक जानकारी के लिए निकटतम सहकारी समिति या इफको किसान सेवा केंद्र से सम्पर्क करें।
आज ही ऑर्डर करें : www.iffcobazar.in
आर्डर करने के लिए
स्कैन करें

श्रीमती सुमन बल्हारा प्रबंध निदेशक हरकोफैड दी पंचकूला सेंट्रल कोओपरेटिव बैंक में आयोजित दो दिवसीय कर्मचारी प्रशिक्षण कक्षा की अध्यक्षता करते हुए।

शिक्षा अनुदेशक हरकोफैड पंचकूला द्वारा गांव टिटौली, रोहतक में सहकारिताओं में आपसी सहयोग को मजबूती प्रदान करने के लिए एक विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया।

हरियाणा राज्य सहकारी विकास फैडरेशन द्वारा हरियाणा सहकारी प्रैस 165–166, इंडस्ट्रियल एरिया, फेस–1, चण्डीगढ़ से मुद्रित व प्रकाशित तथा कार्यालय बेज नं. 49–52, प्रथम तल, सेक्टर–2, पंचकूला ।
दूरभाष : 0172–2560340, 2560332 हरकोप्रैस : 0172–2637264